

---

ShrI Shridhreshastuti

श्री श्रीधरेशस्तुतिः

Document Information



---

Text title : ShrI Shridhreshastuti

File name : shrIdhreshastutiH.itx

Category : deities\_misc, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Author : Narmadanandasvami

Transliterated by : V. P. Bhat, Sirsi

Description/comments : Stotra praising Sadguru Shridharaswami

Latest update : November 3, 2022

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 3, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्री श्रीधरेशस्तुतिः



विश्वेश्वरं सकलभूतपतिं परेशं  
देवाधिदेवममरस्तुत पादपद्मम् ।  
सच्चित्सुखं विगतमायमचिन्त्यरूपं  
श्रीधरेशं भवभयापनुदं भजामः ॥ १ ॥

यो मङ्गलं परमहोऽखिलमङ्गलानां  
यस्मिन्न मृत्युजननव्यवहारदुःखम् ॥  
शान्तं विकाररहितं परमच्युतं तं  
श्रीधरेशं भवभयापनुदं भजामः ॥ २ ॥

योनिर्गुणः सगुण इत्यपि भक्तहेतोः  
धर्मापनाम निजतत्त्व विकासनाय ।  
तं सद्गुरुं सकलजीव विशुद्धरूपं  
श्रीधरेशं भवभयापनुदं भजामः ॥ ३ ॥

सर्वातिनाशकं स्तोत्रं यः पठेद्भक्तितः पुमान् ।  
न सत्यदुःखं किञ्चिञ्च्याद्राजते भुवि पूजितः ॥  
इति श्रीनर्मदानन्दस्वामीविरचितं सद्गुरु श्रीधरेशस्तुतिः समाप्ता ।  
श्री सद्गुरु श्रीधरार्पणमस्तु ।

